International Journal of Sociology and Political Science
Online ISSN: 2664-7745; Print ISSN: 2664-7737; Impact Factor: RJIF 5.48
Received: 05-05-2020; Accepted: 20-05-2020; Published: 06-06-2020
www.sociologyjournal.in
Volume 2; Issue 1; 2020; Page No. 16-19

भारत चीन सम्बन्ध और वर्तमान परिदृश्यः एक अध्ययन

Preeti Tripathi
Assistant Professor, Department of Political Science, CRDPG College Gorakhpur, University Gorakhpur, Uttar Pradesh, India

प्रस्तावना

भारत और चीन प्राचीन सभ्यताओं वाले देश है, इन दोनो देशों में प्राचीन काल से ही सांस्कृतिक और आर्थिक सम्बन्ध रहें है। जनसंख्या की दृष्टि से भी दोनो देशों में काफी समानता है, साथ ही भौगोलिक समरसता भी दोनों देशों के मध्य है, किन्तु दोनों देशों की शासन व्यवस्थाओं मे पर्याप्त अन्तर भी है। जहाँ एक ओर चीन साम्यवाद का प्रबल समर्थ है और वही भारत एक लोकतांत्रिक देश है। भारत चीन सम्बन्धों का लम्बा इतिहास रहा है, इसकी शुरूआत 1954–1956 से मानी जाती है। दोनों देशों के बीच सम्बन्धों का इतिहास खट्टा–मीठा रहा है। सन् 1962 से पूर्व रिश्ते दोस्ताना रहे किन्तु 1962 के युद्ध के पश्चात् दोनों देशों के सम्बन्धेां को तनावपूर्ण रहे। यद्यपि 1970 में माओ मुस्कान के तहत दोनो देशों के मध्य कुछ सुधार हुआ किन्तु यह सम्बन्ध दीर्घकालिक नही था। 1974 मे सिक्किम के भारत में विलय और शांतिपूर्ण परमाणु विस्फोट से भारत–चीन सम्बन्ध तनावपूर्ण हो गए और मात्र संविदाओ तक ही सिमट कर रह गए, उसके पश्चात् भारत चीन सम्बन्धो में समय–समय उतार–चढाव आते रहे।

1962 में तिब्बत के प्रश्न पर बनी कड़वाहट अभी तक बरकरार है यद्यपि 1978 तक चली इस तनावपूर्ण स्थिति को नियन्त्रित करने के कुछ प्रयास किए गए किन्तु वह पूर्णतया सफलीभूत न हो सके। जून 2009 में मनमोहन सिंह (तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री) की अरूणांचल यात्रा पर चीन ने आपत्ति जताई थी।

1 अप्रैल 2020 को भारत चीन कूटनीतिक समझौते के 70 वर्ष पूरे होने वाले थे, उससे पूर्व चीन के वुहान प्रान्त से निकलें कोरोना वायरस (कोविड–19) ने पूरे विश्व को मौते के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया। ऐसा कहाँ जाता है कि चीन के लैब में तैयार यह वायरस चीन की विश्वविजय की लालसा से विश्व में फैलाया गया था यदि वस्तुस्थिति का गम्भीरता से आंकलन करें तो हम देखतें है कि पूरा यूरोप ही नही भारत और एशिया के लगभग सभी राष्ट्र इसकी चपेट में है। इस वैश्विक महामारी ने पूरे विश्व की गति ही रोक दी मृत्यु अप्रत्याशित रूप में समक्ष खड़ी प्रतीत हो रही है। यह भी माना जाता है कि चीन द्वारा जानबूझकर यह वैश्विक महामारी वैमन्स्यपूर्ण तरीके से अपनी विस्तारवादी नीति की पूर्णता हेतु प्रसारित की गई थी। चीन की विस्तारवादी नीति से पूरा विश्व त्रस्त है और कोविड–19 के बाद चीन की चालबाजी और उभकर आई है। एक प्रकार से चीन को यह गुमान है कि उसने तृतीय विश्व युद्ध जीत लिया, चीन ने पूरी विश्व की अर्थव्यवस्था को घुटने पर ला दिया।

कोविड–19 के लिए विश्व समुदाय के समक्ष आलोचना झेलने के कारण चीन की तिलमिलाहट बढ़ी है। उसने इस ओर से ध्यान भटकाने के लिए सीमा पर सैनिक गतिविधियां बढ़ा दी। हमें चीन की मंशा पर मंथन की आवश्यकता है। यदि बीते दिनों की कुछ घटनाओं पर दृष्टिपात करे तो चीन जबसे भारत के साथ सन् 1962 का युद्ध हुआ शुद्ध हृदय से कभी भारत का मित्र नहीं रहा। डोकलाम एक विवादित पहाड़ी है जिस पर चीन और भूटान दोनों अपना दावा पेश करते है, भारत भूटान का समर्थक है जून 2017 में जब चीन ने यहा पर सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया है तो भारतीय सैनिको ने उसे रोक दिया यही से दोनो पक्षों के बीच विवाद की शुरूआत होती है भारत ने इसे सुरक्षा के लिए घातक बताते हुए कहा कि भविष्य में यदि संघर्षपूर्ण स्थिति बनती है तो चीनी सैनिक इस सड़क का प्रयोग करके सिलीगुड़ी कॉरीडोर पर कब्जे के लिए कर सकते है। यद्यपि यह विवाद उच्च स्तरीय वार्ता से सुलझ गया था। डोकलाम विवाद के तीन वर्ष वाद गलवान घाटी में चाइना ने छद्म युद्ध का सहारा लिया और धोखे से 20 भारतीय सैनिकों की हत्या कर दी इस घटना ने पूरे भारत की आत्मा पर प्रहार किया और समवेत स्वर में तत्काल जवाबी कार्यवाही की मांग की गई 15 जून 2020 को यह नृशंसतापूर्ण घटना अंजाम दी गई। गलवान घाटी के पेट्रोलिंग प्वांइट 14 पर धोके से यह घटना हुई। भारतीय सैनिकों ने भी इसका जवाब देते हुए 40 चीनी सैनिको को मार गिराया।

कोविड–19 के लिए विश्व समुदाय के समक्ष आलोचना झेलने के कारण चीन की तिलमिलाहट बढ़ी है, और यदि देखा जाय तो इस ओर से ध्यान भटकाने के लिए ही उसने सीमा पर सैनिक गतिविधियां बढ़ी दी है।

भारत और चीन बीच सीमा को वास्तविक नियन्त्रण या एल0ए0सी0 लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल के नाम जाना जाता है। यह एक प्राकृतिक विभाजन है जो कि 35,00 कि0मीटर का क्षेत्र एवं दुर्गम पहाड़ियों के मध्य स्थित है, जहां पर दोनो देशों की सेनाएं अपनी निर्धारित सीमा पर पेट्रोलिंग का कार्य करती है। गलवान की घटना पेट्रोलिंग प्वाइंट 14 पर हुई थी। पेट्रोलिंग प्वाइंट 14, 15, 17 पर दोनो देशों की सेनाएं आमने–सामने थी, चीन फिंगर फोर– (4) से 8 तक धोके से पहुँच आया था। ये पहाड़ियों का समूह है जो ऊपर से देखने पर किसी हथेली की उंगलियों की तरह लगती है इसीलिए इन्हे फिंग 1 से 8 तक नाम दिया गया है। फिंगर 4 पैगोंग–सो झील के पास है जो कि 135 कि0मी0 लम्बी है जिसका 80 कि0मी0 इलाका चीन के पास है बाकी भारत के हिस्से में आता है। यही इलाका है जहाँ बंटवारा पानी के बीच हुआ है। झील के बगल से चैंग चेनमों की पहाड़ियाँ है, जिन्हे फिंगर 1 से 8 तक नाम दिया गया है। फिंगर के आधार पर ही पैगोंगे के पास एल0ओ0सी0 को मापा जाता है 5 और

6 मई की रात दोनो देशों की सेनाओं में झड़प एवं तनातनी शुरू हुई। पैगोंग सो चुशुल घाटी के करीब है जो 1962 के युद्ध में अहम मोर्चा रहा है और जो पूर्वी लद्दाख का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री मोदी ''भारत का रूख पड़ोसी देशों से सदैव सौहार्द्रपूर्ण रहा है, हमने सदैव उनके उत्थान के प्रयास किए है मतभेदों पर सदैव विवाद को बचाते है किसी को उकसाते नहीं है। हम पड़ोसियों से अच्छा सम्बन्ध चाहतें है। किन्तु अपने देश की अखण्डता और सम्प्रभुता से समझौता नहीं कर सकते। त्याग हमारे राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा है तो वीरता और विक्रम भी हमारे देश के चरित्र का भाग है। हमारे लिए भारत की अखण्डता और सम्प्रभुता सर्वोच्च है यद्यपि भारत शांति चाहता है पर अपनी अखण्डता की रक्षा के लिए उचित जवाब भी दे सकता है।''

वर्तमान समय में देखे तो भारत के खिलाफ रचनाए चक्रव्यूह में चीन पूरी तरह से फंस चुका है वह सिक्किम और डोकलाम की तरह पीछे नहीं हट पाया। भारतीय सेना ने चीन की रणनीतिक ऊंचाई पर कब्जा कर लिया है।

एल0ए0सी0 अर्थात् लाइन ऑफ एक्चुअल कंटोल (वास्तविक सीधी) नियन्त्रण रेखा के उस पार भारत चीन पर लगातार पैनी निगाह बनाए हुए है। पूर्वी लद्दाख की पैगोंग सो झील में भारत की स्थिति मजबूत हुई है, दक्षिणी हिस्से की सभी महत्वपूर्ण चोटियों पर भारतीय सेना की पकड़ मजबूत है, और गलवान की तरह चाइना को पैगोंग मे भी मुँह की खानी पड़ी।

चीन पर अन्तर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है और अमेरिका जैसा देश चीन को कोविड–19 के मुद्दे पर सदैव कटघरे में खड़ा करता आया है, वह इसके लिए पूरी तरह से चीन को जिम्मेदार मानता है। नाटो की तर्ज पर अब चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये के खिलाफ – अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान और भारत के बीच (क्वेड) क्वाडिलेट्रम, सिक्योरिटी डायलाग नाम का गठबंधन ठोस आकार लेने लगा है।

चीन की विस्तारवादी नीति से उसका हर पड़ोसी देश परेशान है भारत के साथ–साथ रूस, नेपाल, जापान, वियतनाम, ताइवान, दक्षिण कोरिया, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान, मंगोलिया सहित लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ चीन का सीमा विवाद है। प्रधानमंत्री मोदी– ''विस्तारवाद ने विश्व को विनाश की गर्त में ढ़केल दिया है।'' भारत और अमेरिका चाइना के लिए बहुत बड़े बाजार है और इन देशों द्वारा चाइनीज सामानों पर प्रतिबन्ध से चीन और तिलमिलाया हुआ है, क्योंकि कोविड–19 पर चीन ने विश्व को धोखे में रखा और पूरे विश्व की आर्थिक जड़े तक हिल गई।

15 अक्टूबर 2020 को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में चीन, क्यूबा और रूस जैसे देशों के चुने जाने पर अमेरिका की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई, और जारी बयान में कहा गया कि मानवाधिकार परिषद में ऐसे अधिनायकवादी देशों का चुना जाना घातक है ये केवल इजराइल विरोधी पूर्वाग्रह से ग्रस्त राष्ट्र है, और इनका मानवाधिकार का रिकार्ड सबसे खराब रहा है। इससे साबित हो गया की परिषद से हटने का उनका फैसला बिल्कुल सही था।

चीन भारत से खार खाए बैठा है जब पिछले वर्ष 5 अगस्त 2019 मे राज्य पुनर्गठन बिल तत्कालीन सरकार ने प्रस्तुत कर अनुच्छेद 370 की समाप्ति को पास करा लिए तब से चीन लगातार भारत को नीचे दिखाने का प्रयास करता आया है। कभी तो वह 370 के मुद्दे और कश्मीर को अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर उठाता है कभी अनावश्यक बयानबाजी कर पाकिस्तान का समर्थन करता है। वह लगातार पाक प्रायोजित आतंकवाद को भी प्रश्रय देता है। वही नेपाल मे साम्यवादी कार्ड खेलकर नेपाल को भी भारत से विमुख कर रहा है। नेपाल और पाकिस्तान के बेतुके बोल भारत के खिलाफ लगातार भ्रामक दुष्प्रचार ये सब चीनी दुर्भावना से ही पुष्पित और पलवित होती है।

चीन की ओर से लगातार की जा रही सीमा पर असहजता और उसकी चालबाजी पर पूरे विश्व समुदाय की पैनी निगाह है। चीन भारत के साथ तनाव के मुद्दे पर स्वयं की स्तुति गाथा करता रहता है और युद्ध की धमकी देता रहता है। भारत के खिलाफ भ्रामक दुष्प्रचार और गलत बयानबाजी को सदैव एक हथियार के रूप में चीन प्रयोग करता है, किन्तु भारत ने स्पष्ट शब्दों मे चीन की हर बयानवाजी, और चालबाजी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जहाँ एक ओर चीन बार–बार भारत को सन् 1962 के युद्ध की याद दिलाता है, वही भारत पूरी तरह से शत्रु को जवाब देने में तत्पर है। भारत की सैन्य और आयुध शक्ति में निरन्तर वृद्धि हो रही है।

भारत ने साफ कर दिया कि यह सन् 1962 का भारत नहीं है। एन0डी0ए0 सरकार के काल में भारत की एक आक्रामक विदेशनीति विकसित हुई, यद्यपि हमने अपने मौलिक सिद्धान्तो का परित्याग नहीं किया है तथापि भारत आज अपने राष्ट्रीय हित को लेकर काफी मुखर हुआ है हम आज महाशक्तियों की ओर नहीं देखते बल्कि हमने लुक एक्ट पॉलिसी पर ध्यान देकर अपनी शक्ति में अभिवृद्धि की। साथ ही भारत अपनी शक्ति में निरन्तर वृद्धि करते हुए एक्ट ईस्ट पालिसी के तहत यूरोपीय देशों से सम्बन्ध मजबूत कर रहा है। लुक एशिया पॉलिसी से सारे एशियाई देशों से भारत निरन्तर सम्बन्ध सुदृढ़ कर रहा है।

चीन अकसर भारत के अन्दरूनी मामलों मे देखल देता रहता है। उत्तर में पुल निर्माण को चीन ने तनाव की असली वजह बताई है, उसके लद्दाख और अरूणांचल पर बेतुके बोल पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की इन दोनो राज्यों को अवैध कब्जे वाला क्षेत्र कहने पर भारत ने सख्त रूख अपनाते हुए कहा कि जम्मू–कश्मीर लद्दाख और अरूणांचल प्रदेश हमेशा से भारत का हिस्सा थे और रहेगें और भारत के किसी भी अंदरूनी मामले में बोलने का चीन का कोई अधिकार नहीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ''इस मसले पर हमारा रूख हमेशा स्पष्ट है। चीन के समक्ष भारत कई बार अपना पक्ष रख चुका है। हमारे मामलों में उसे नहीं बोलना चाहिए। हम उम्मीद करते है कि विभिन्न देश भारत के आन्तरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करेंगें जैसा कि वे हमसे चाहते हैं''।

भारत के इस रूख से चीन को स्पष्ट संदेश दिया गया कि किसी भी धमकी पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अपने सैनिकों को युद्ध के लिए तत्पर रहने का संदेश देकर चीन ने भारत को धमकी दी है। चीन सीमावर्ती क्षेत्रों मे बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में भारत की प्रगति को दोनों देशों के बीच तनाव की असली वजह मानता है। हाल के दिनों में भारत ने जिस प्रकार सीमाई क्षेत्रों में बुनियादी ढ़ांचे को मजबूती दी है उससे चीन बौखलाया है। हाल ही में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों में 44 पुलों के उद्घाटन से चीन तिलमिलाया हुआ है। भारत की मजबूत होती स्थिति पर चीन की ओर से कई बार ऐसे बेतुके बयान आ चुके है।

चीन भारत से उलझने का हर सम्भव प्रयास कर रहा है एल0ए0सी0 के कानूनों को धता– बताकर आगे बढ़ने का पैतरा दिखाता है। चीन के इस रूख पर भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा ''सीमा पर विवाद चीन और पाक की साजिश है''। साथ ही इस बात के पूरे संकेत दिए कि पूर्वी लद्दाख में एल0ए0सी0 पर चीनी अतिक्रमण से पैदा हुए तनाव और गतिरोध मे भारत नरमी नहीं बरतेगा।

साथ ही जोजिला टनल एवं ब्रहमोस मिसाइल परीक्षण ने चीन को शिकस्त दी है बी0आर0ओ0 की 102 पुलो के निर्माण की योजना है। ये पुल इतने मजबूत है कि युद्ध की स्थिति में टी–90 जैसा वजनी टैंक आसानी से गुजर सकता है, इन पुलों के निर्माण से सेना को पोस्ट तक पहुँचने में आसानी होगी, क्योंकि दुर्गम मार्ग होने से आने–जाने में 2 महीने तक लग जाते थे। अब सरहद पर सेना और जरूरी साजो–सामान आसानी से पहुँचाया जा सकता है। बी0आर0ओ0 ने हजारो फीट की ऊँचाई पर सड़क निर्माण का दुष्कर कार्य किया है।

चीनी धोकेबाजी और चालबाजी पर अंकुश लगाने के लिए भारत ने सड़के बनानी शुरू की बी0आर0ओ0 (बार्डर रोड, आर्गेनाइजेशन) ने महत्वपूर्ण रोड़– दरबूक, श्योक, दौलत, बेग ओल्डी रोड बनाई जो कि चीनी सीमा के 9 कि0मी0 पहले तक है। 255 कि0मी0 लम्बी यह सड़क लद्दाख के आखिरी गांव श्योक तक जाती है– प्रधानमंत्री मोदी ''हमारे पास आज वो क्षमता है कि हमारी एक इंच भूमि की ओर कोई आंख उठाकर भी नही देख सकता है। भारतीय सेनाएं हर क्षेत्र में एक साथ मूव करने में सक्षम है।''

भारत वर्तमान समय में मजबूत स्थिति में है और हर परिस्थिति का सामना डटकर कर सकता है यदि युद्ध हुआ तो भारत जवाबी कार्यवाही करने में पूर्णतया सक्षम है और चीन को मुँह की खानी पड़ेगी। स्टैण्ड आफ (युद्ध जैसी स्थिति) फेस ऑफ (युद्ध की स्थिति) में निपटने में सक्षम है। केन्द्र में मजबूत और दृढ़ सरकार है, भारत ने राफेल और अपाचे को आयात किया है, जो कि हमारी वायु सेना की शक्ति में वृद्धि करता है हमने लद्दाख में रणनीतिक ऊंचाई पर कब्जा कर लिया है। हमने हालिया स्ट्राइक से विश्व को सशक्त संदेश दिया है साथ ही हमने जवाबी कार्यवाही से एक बेहतरीन प्रशासन स्थापित किया है।

भारत चाइना के मध्य गतिरोध का समाधान चीनी रूख से सम्भव नही है पिछले दौर की वार्ताओं की विफलता से स्पष्ट संकेत मिले कि यह विवाद चीन का दोहरा चरित्र साबित कर रही है। चीन तीन मोर्चों पर पीछे नही हटना चाहता – पैगोंग सो, हाट पिंक, और गोगरा सो का इलाका – इन क्षेत्रों में चीन अपने बयान से पलटा और समझौते की अनदेखी की।

इन सबके बीच भारत अपनी सामरिक शक्ति में निरन्तर वृद्धि करता आया है। अभी भारत की आयुध क्षमता बहुत सशक्त है। भारत के पास अत्याधुनिक शस्त्र पर्याप्त मात्रा में है और भारत किसी भी युद्ध की स्थिति से निपटने में पूर्णतया सक्षम है। भारत की प्रतिरक्षा प्रणाली और सेन्य बल अपने उच्चतम स्तर पर है।

भारत के पास ब्रहमोस नामक सुपरसेनिक क्रूज मिसाइल है जिसे ब्रहमास्त्र भी कहाँ जाता है। एक सेकेन्ड मे 1 कि0मी0 तथा 290 कि0मी0 4 मिनट 50 सेकेन्ड इसकी रफ्तार है। यह अमरीका के टॉम हॉक से भी ज्यादा खतरनाक है। इसे ध्वस्त नहीं किया जा सकता तीन सेकेन्ड में कई लक्ष्य साथ सकता है।

भारत ने फरवरी 2020 में रूस के साथ एस–400 मिसाइल का करार किया है, जिससे भारत का प्रतिरक्षा तन्त्र मजबूत हुआ है भारतीय वायु सेना की गगन गर्जना से चीन कांप उठा है। **चिनूक** हेलीकाप्टर एक बहुद्देशीय वर्टिकल लिफ्ट प्लेट फार्म हेलीकाप्टर है जिसका उपयोग सैनिको, हथियारों उपकरणों और अन्य विविध प्रकार की भारी मशीनरी ढ़ोने के उपयोग मे लाया जाता है। अमरीका द्वारा आयातित यह हेलीकाप्टर आपदा राहत में भी प्रयोग मे लाया जाता है। **अपाचे** अमरीका की बोइंग कम्पनी द्वारा निर्मित यह हेलीकाप्टर सटीक हमलों के लिए उपयुक्त है। सटीक हमलो में दक्ष अपाचे गर्जियन हेलीकाप्टर दुश्मन के इलाके में घुसकर भी वार कर सकता है। वायु सेना के साथ–साथ इससे थल सेना की आपरेशनल शक्ति में बृद्धि हुई हैं। यह दुर्गम पर्वतीय इलाकों में सटीक हमलों के लिए विख्यात है। यह लादेन किलर के नाम से भी जाने जाते है इन्हे ए एच 64 (1) भी कहा जाता है। जिससे भारत की शक्ति बढ़ी है। 280 कि0मी0 रफ्तार है।

राफेल– फ्रांस से आयातीत डसॉल्ड राफेल लड़ाकू विमान से भारतीय वायु सैन्य क्षमता काफी सशक्त हुई है। एक मिनट मे 60 हजार फिट की ऊंचाई पर उड़ने वाला राफेल युद्ध के समय अहम भूमिका निभाने में सक्षम है, हवाई हमला, जमीनी समर्थन, वायु वर्चस्व, भारी हमला और परमाणु प्रतिरोध ये सारी राफेल विमान की विशेषताए है। 3,700 कि0मी0 भारक क्षमता है जिसे दुश्मन का राडार पकड़ नही सकता। 100 कि0मी0 के दायरे में एक साथ 40 टारगेट पकड़ सकता है। बिना सरहद पार किए दुश्मन के ठिकाने तवाह कर सकता है। पाक और चाइना के भीतर 600 कि0मी0 तक के टारगेट को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अर्जुन टैंक भारत के डी0आर0डी0 ने बनाया है जो मिसाइल क्षमता से लैस है। स्वाती राडार– दुश्मन के लोकेशन की सही जानकारी देता है। अग्नि– 1 से लेकर 5 तक भारक क्षमता 700 से 800 मी0 तक है। पृथ्वी मिसाइल– 1 और 2 इनकी भारक क्षमता 150 से 300 कि0मी0 है। धनुष– की रेंज 350 कि0मी0 से 600 कि0मी0 है। शौर्य– 750 से 1900 कि0मी0 की रेंज तक भारक क्षमता है। प्रहार– 150 कि0 तक भारक क्षमता है। एस–400– और हवा से हवा में मारक क्षमता मीका एस्ट्रा और एस्ट्रा 500 से 800 कि0मी0 लक्ष्य। एस्ट्रा 80 से 100 कि0मी0 मारक क्षमता। नोवाटर–के– (ज्ञ) 300 से 400 कि0मी0 टारगेट सतह से हवा मे वार करने वाली मिसाइल। त्रिशूल– 9 कि0मी0 क्षमता। आकाश 35 से 40 कि0मी0 मारक क्षमता है।

निर्भय मिसाइल– 1000 से 10,50 कि0मी0 मारक क्षमता है।

बोफोर्स का साथ देने के लिए पिनाका राकेट लांचर 65 कि0मी0 मारक क्षमता 44 सेकेन्ड मे टारगेट सेट करता है। के–9 बर्टटी वज्र मिसाइल । एन–777 अल्ट्रालाइट। गार्जियन 750 बराक 8 मिसालइल– नाग मिसाइल, सी–130 हर्कुलिस विमान । एम0आई0 17 । ग्लोव मास्टर वज्र मिसाइल आदि।

इसके साथ ही अभी हाल ही में डी0आर0डी0ओ0 ने करीब 10 मिसालइलों का सफल परीक्षण किया है। इनमें शौर्य हाइपरसेनिक मिसाइल, अधिक दूरी की ब्रह्मोस मिसाइल, परमाणु क्षमता वाली पृथ्वी बैलोस्टिक मिसाइल, हाइपरसेनिक मिसाइल तकनीक विकास वाहन, रूद्रम–1 एण्टी–रेडिएशन मिसाइल और सुपरसेनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज तारपीडो वेपन सिस्टम शामिल है। डी0आर0डी0ओ0 ने कहाँ कि ''सेना जैसी मिसाइल भागे हम बनाने में सक्षम है।''

यही नही दुर्गम स्थानो पर सेना दोहरी लड़ाई लड़ेगी चीन के साथ यदि युद्ध होता है तो सन् 1962 जैसे हालात नही है, अब सेना अत्याधुनिक हथियारों से लैस है। भारत सर्जिकल और एयर स्ट्राइक जैसी आक्रामक गतिविधियों को अंजाम दे चुका है। लद्दाख सीमा पर अब मौसम की कठिनाई से लड़ने के लिए गरम कपड़े और हीट रूम की पर्याप्त व्यवस्था के साथ ही अन्य सुविधाएं भी पर्याप्त मात्रा में है। अपेक्षाकृत चीनी सेना के लिए और विशेष कर बी0एल0ए0 के लिए युद्ध की राह आसान नही होगी। भारत और चीन के मध्य पिछले कई दौर की वार्ताओं से कोई सार्थक हल नही निकल सका है और चीन की लगातार बदलती बयानबाजी और समझौतों की अनदेखी से भारत

पूरी तरह सजग है चीन की हर हरकत पर भारत की टेढ़ी निगाह है, और वर्तमान दौर मे सशक्त भारत से चीन का यदि युद्ध हुआ तो निश्चय ही चीन को मुँह की खानी पड़ेगी। ताइवान की भारत से बढ़ती हुई नजदीकी से चीन बौखला गया है यही नही म्यांमार को पनडुब्बी देने से भी भारत से चिढ़ा हुआ है।

दक्षिणी चीन सागर में अमेरिका सहित अन्य देशों के निर्बाध व्यापार के लिए चीन का दबदबा खत्म होना जरूरी है। पिछले कुछ दिनों की घटनाओं पर यदि निगाह डाले तो चीन को हर मोर्चे पर भारत की ओर से कड़ी शिकस्त मिली है। वर्तमान समय में भारत एक सशक्त राष्ट्र है जो अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी शक्तिशाली छवि को प्राप्त कर चुका है। अब चीन को समझना होगा कि भारत के साथ व्यवहार में चीन को संयम बरतना होगा और हर पड़ोसी राष्ट्र से परे भारत के साथ सुलूक करना होगा क्योंकि भारत एक परमाणु क्षमता सम्पन्न राष्ट्र है। परमाणु शक्ति से सम्पन्न राष्ट्रों के सम्बन्धों के समीकरण भिन्न होते है चीन आस्ट्रेलिया की भांति भारत पर आर्थिक प्रतिबंध नही लगा सकता क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में भारत का कद बढ़ा है और विश्व समुदाय इस क्षमता को स्वीकार भी करता है।

चीन की बढ़ती हुई आक्रामक नीतियों से विश्व समुदाय काफी चिंतित है और इससे चीन के विरूद्ध माहौल बनने लगा है। आर्थिक एवं राजनीतिक दबाव या सैन्य हेकड़ी दिखाने वाली अपनी मौजूदा नीतियों से चीन कभी अपनी महत्वाकांक्षी स्वप्न को साकार नही कर सकेगा। भारत को दबाव में लाने की उसकी मंशा कभी पूरी नही होगी और उसे असफलता ही हाथ लगेगी। उसे सीमा विवाद सम्बन्धी मामलों में धैर्य अपनाना होगा एवं अनावश्यक चालबाजियों का त्याग करना होगा। शांति की बहाली के लिए उसे अपने अपरिपक्व व्यवहार से वाज आना चाहिए।

सन्दर्भ सूची

1. अक्टूबर– 2019 सिविल सर्विसेज क्रॉनिकल पृष्ठ संख्या 90–91
2. जुलाई – 2019 प्रतियोगिता दर्पण पृ0सं0 17
3. जुलाई 2020 दृष्टि करेन्ट अफेयर्स टुडे पृ0सं0 15, 16, 17, 25, 27
4. जून 2020 प्रतियोगिता दर्पण पृष्ठ संख्या 83 से 86
5. अक्टूबर 15, 2020 हिन्दुस्तान समाचार पत्र पृ0सं0 17 संस्करण 21 गोरखपुर
6. अक्टूबर 15, 2020 अमर उजाला समाचार पत्र पृ0सं0 12 अंक 192 संस्करण–21
7. खन्ना वी0एन0 अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध– पृ0सं0 29 से 36
8. अक्टूबर–19 दैनिक सामाचार पत्र दैनिक पृ0सं0 10 नगर संस्करण
9. फरवरी 5, 2020 दैनिक समाचार पत्र दैनिक पृ0सं0 18 नगर संस्करण
10. अक्टूबर 14, 2020 दैनिक समाचार पत्र दैनिक पृ0सं0 10 नगर संस्करण
11. अक्टूबर 15, 2020 दैनिक समाचार पत्र दैनिक पृ0सं0 16 नगर संस्करण
12. अक्टूबर 13, 2020 दैनिक समाचार पत्र दैनिक पृ0सं0 10, 16 नगर संस्करण
13. अक्टूबर 16, 2020 दैनिक समाचार पत्र दैनिक पृ0सं0 3 नगर संस्करण
14. न्यूज जी टीवी चैनल– 17.10.2020 प्रसारण समय 11:30